Expenditure on Atomic Energy Research

3808. SHRI TINDIVANAM G. VENKATRAMAN: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) the total amount of expenditure incurred per annum on Atomic Energy research;

(b) the details of the inventions our scientists have established in recent years in the field of atomic energy:

(c) what are the useful schemes of Atomic Energy for peaceful purposes:

(d) what are the findings thereof; and

(e) if there is no useful scheme, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE PRIME MINISTER'S OFFICE (SHRI BHUVNESH CHATURVEDI): (a) The figures for annual expenditure on atomic energy research for the three years 1991—94 are as under:

(Rs. in Crores

Year	Plan	Non-Plan	Total
1991-92	82.33	218.09	300.42
1992-93	85.35	246.43	331.78
1993-94	107.17	285.13	392.30

(b) The scientists of the Department of Atomic Energy (DAE) are engaged in basic and applied research in physical, chemical and bio-sciences and in R&D support for the development of indigenous technologies for various activities connected with the generation of electric power from nuclear energy and for isotope production and its applications. Achievements have been made in high technology areas like power and research reactors, radio isotope production and utilisation, lasers, accelerators, fusion, control system, probotics, super computers, cryogenics, materials technology, information technology, and bio-technolgy, many of which have won international acclaim. There have been many spin-offs including in the areas of agriculture and medicine.

(c) and (d) Some of the peaceful uses of atomic energy are:—

(1) production of electricity using various kinds of unclear reactors.

(2) use of research reactors for radio isotope production and for diagnosis and in the treatment of diseases, in industry and in many other areas like agriculture and water management.

(3) production of improved seeds through radiation techniques for higher crop yields.

(e) Does not arise.

Results of selection in ordnance depots

3809. SHRI J. S. RAJU: Will the PRIME MINISTER be pleased to refer to the answer to Unstarred Questions 2649 and 2650 given in the Rajya Sabha on the 30th March, 1995 and state the steps being taken by Government to redress the grievances of dalit youths who were already selected and appointment orders have not yet been issued in their favour but their future employment opportunity has been stopped by deletion of their names from the Employment Exchange on the plea of their selection?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI MALLIKARJUN): In addition to regularly pursuing with the Ministry of Finance

for relaxation of ban orders, instructions have recently been issued to the Army HQrs. to issue letters to all concerned Employment Exchanges explaining the status of the selected SC/ST candidates to enable the latter either to renew the registration or to re-register such candidates, if their names have been deleted from their list.

रक्षा मंत्रालय द्वारा पुस्तकों की खरीद

3810. **श्रीमती वीणा वर्मा** : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) रक्षा मंत्रालय में पुस्तकों की खरीद हेतु क्या मानदंड अपनाये जाते हैं ;

(ख) क्या पुस्तकों की खरीद हेतु गठित की गई समिति में देश के कुछ प्रतिष्ठित और सम्मानित व्यक्तियों को शामिल किया गया है ;

(ग) क्या यह सच है कि रक्षा मंत्रालय काव्य पुस्तकों की खरीद नहीं करता; और

(घ) क्या सरकार गत दो वर्षों के दौरान खरीदी गई पुस्तकों की सूची सभा पटल पर रखेगी ?

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) से (घ) सैनिकों के मनोरंजन के लिए पुस्तकों का चयन करने के वास्ते रक्षा मंत्रालय ने संयुक्त सचिव की अध्यक्षता में एक पुस्तक चयन उप समिति का गठन किया है। तथापि पुस्तकों की वास्तविक खरीद और उनकी संख्या का निर्णय पुस्तकों की आवश्यकता और धनराशि की उपलब्धता के आधार पर उप समिति द्वारा चयनित पुस्तकों में से संबंधित मुख्यालयों द्वारा किया जाता है।

इस समिति द्वारा सैनिकों के मनोरंजन के लिए पुस्तकों का चयन करते समय निम्न-निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाती है :—

(1) पुस्तकें मनोरंजन करने वाली होनी चाहिए।

(2) हल्की पठन सामग्री जिसमें कहानी-किस्से और उपन्यास हों। देशभक्ति भजन और कविताओं वाली पुस्तकें खरीदे जाने की भी सिफारिश की जाती है।

(3) महत्वपूर्ण राष्ट्रीय और अन्तर्-राष्ट्रीय नेताओं की जीवनियां तथा आत्म-कथाएं।

(4) व्यावसायिक प्रशिक्षण खेल-कूद, सामाजिक तथा अनुप्रयुक्त विज्ञान और धर्म के बारे में प्रारम्भिक जानकारी देने वाली पुस्तकें।

(5) रक्षा संबंधी विषयों पर हिन्दी की पुरस्कृत पुस्तकें।

(6) नेशनल बुक ट्रस्ट और इसी तरह के अन्य निकायों द्वारा प्रकाशित पुस्तकें ; और

(7) ऐसी पुस्तकें जिन्हें केन्द्रीय या राज्य शैक्षिक पुरस्कार दिया गया हो।

सैनिकों के लिए निम्नलिखित विषयों वाली पुस्तकों की खरीद करने की सिफारिश नहीं की जाती है :—

(1) ऐसी पुस्तकें जो भिन्न-भिन्न धर्मों की भावनाओं को ठेस पहुंचाती हों।

(2) विवादास्पद राजनैतिक विषय वाली पुस्तकें।

(3) ऐसी पुस्तकें जिनसे राष्ट्रीय सुरक्षा का उल्लंघन हो।

(4) अत्यंत तकनीकी विषय वाले प्रकाशन।

(5) विवादास्पद विषयों पर आपत्ति जनक सामग्री वाले प्रकाशन।

(6) ऐसे प्रकाशन जिनसे रक्षा सेवा कार्मिकों के मनोबल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े।

(7) अश्लील साहित्य की श्रेणी में आने वाले प्रकाशन।

सैनिकों के लिए अपेक्षित पुस्तकों के अतिरिक्त रक्षा मंत्रालय के अधीन आने वाले विभिन्न विभाग और संगठन अपनी